राज निवास
दिल्ली-११००५४
RAJ NIWAS
DELHI-110054

विनय कुमार सक्सेना
उपराज्यपाल
Vinai Kumar Saxena
Lt. Governor

D.O No. RN/2024/269
Dated 09/07/2024

## संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी मेमोरियल ट्रस्ट के गठन के 3 साल पूरे होने के अवसर पर स्मारिका "पुनर्नवा" का प्रकाशन पुनः होने जा रहा है।

आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी हिंदी साहित्य की अमूल्य निधि हैं। उनकी तर्कसंगत व्याख्या एवं सम्यक मूल्यांकन आने वाली कई पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बना रहेगा। एक निबंधकार के रूप में उनकी निबंध शैली अनूठी व अद्वितीय है। उन्होंने जहां हिंदी साहित्य लेखन और आलोचना को समृद्ध किया है, वहीं उनके उपन्यासों और ललित निबंधों में लालित्य के दर्शन होते हैं।

हिंदी साहित्य के पुरोधा आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का हिन्दी साहित्य में योगदान कभी नकारा नहीं जा सकता और कबीर जैसे महान संत को दुनिया से परिचित कराने का श्रेय भी उनको ही जाता है। इनकी रचनाओं में नवीनता और प्राचीनता का अपूर्व समन्वय था। आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी हिंदी साहित्य की दुनिया का एक ऐसा जगमगाता नाम हैं जिसे हम बचपन से ही सुनते और पढ़ते आ रहे हैं।

मैं इस अवसर पर आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी मेमोरियल ट्रस्ट के सभी सदस्यों को शुभकामनाएं देता हूं।

(विनय कुमार सक्सेना)